PAK टीम जब मैदान में नमाज पढ़ती है तो ICC आपत्ति क्यों नहीं उठाता'

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महेंद्र सिंह धोनी के बलिदान बैज पहनने का मुद्दा फिलहाल थमने का नाम नहीं ले रहा है. सोशल मीडिया पर ये मुद्दा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है. लोग इस कड़ी में पाकिस्तान के 30 मार्च, 2011 के मोहाली में खेले एक मैच का वीडियो और फोटो शेयर कर रहे हैं. उसमें भारत के खिलाफ खेले गए उस मैच में पाकिस्तानी टीम को मैदान में नमाज पढ़ते देखा जा सकता है. पाकिस्तानी मूल के कनाडाई लेखक तारेक फतेह ने भी आईसीसी की इस अपील पर आपत्ति उठाई है. उन्होंने ट्वीट कर कहा, "पाकिस्तान टीम जब मैदान में नमाज पढ़ती है तो आईसीसी आपत्ति क्यों नहीं उठाता ?"

कब दिखा चिन्ह

37 साल के धोनी के ग्लव्स पर 'बलिदान बैज' क्रिकेट वर्ल्ड कप (cricket world cup 2019) में भारत और दक्षिण अफ्रीका के मैच के दौरान उस समय दिखाई दिया जब उन्होंने मैच के 40वें ओवर के दौरान युजवेंद्र चहल की गेंद पर दक्षिणी अफ्रीकी बल्लेबाज एंडिले फेहलुकवायो को

स्टंप्स आउट किया था. बलिदान बैज वाले ग्लव्स पहने धोनी की यह तस्वीर बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. यह पहली बार नहीं है जब धोनी ने मैदान के अंदर सुरक्षा बलों के प्रति अपना सम्मान दिखाया है. उन्होंने इससे पहले मार्च में आस्ट्रेलिया के साथ हुए वनडे मैच के दौरान भी आर्मी वाली कैप पहनकर विकेटकीपिंग की थी.

आईसीसी बनाम बीसीसीआई

आईसीसी ने इस मसले पर बीसीसीआई से आग्रह किया कि वह धोनी से ग्लव्स उतारने को कहे. लिहाजा शुक्रवार को बीसीसीआई की इस मुद्दे पर हुई बैठक में फैसला किया गया कि सीईओ राहुल जौधरी मुद्दे के समाधान के लिए आज ही इंग्लैंड जाएंगे. वहां पर आईसीसी अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे.इससे पहले बीसीसीआई की प्रशासक कमेटी के अध्यक्ष विनोद राय ने पत्रकारों से कहा था कि बोर्ड ने आईसीसी को पत्र लिखकर अपना जवाब दे दिया है.

इस पर आईसीसी ने आश्वासन दिया है कि वह इस पत्र पर विचार करेगा. इस बारे में बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि राय का विचार है कि बोर्ड धोनी से इन ग्लव्स को उतारने के लिए नहीं कहेगा.

दरअसल बीसीसीआई कह रहा है कि इस मुद्दे पर हम अपने खिलाड़ी के साथ खड़े हैं और धोनी का बलिदान बैज न ही कार्मिशयल है और न ही धार्मिक. इसके साथ ही ये भी कहा कि ये चिन्ह उनकी रेजीमेंट का भी नहीं है. हम इसकी अनुमति के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करेंगे. इस संदर्भ में यदि आईसीसी, बीसीसीआई के जवाब से संतुष्ट रहता है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड उससे मंजूरी ले लेता है तो धोनी के ग्लव्स पर बलिदान बैज बना रहेगा.

महेंद्र सिंह धोनी का बलिदान बैज न कामर्शियल है और न ही धार्मिक: BCCI का जवाब

मुंबई: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप (Cricket World Cup 2019) में महेंद्र सिंह धोनी के ग्लव्स पर बने बलिदान बैज पर मचे बवाल के बीच बीसीसीआई के प्रशासकों की कमेटी (सीओए) इस मामले में फैसला लेगी. शुक्रवार दोपहर 12 बजे से इस मुद्दे पर बैठक होगी. इससे पहले बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि क्रिकेट बोर्ड कह रहा है कि इस मुद्दे पर हम अपने खिलाड़ी के साथ खड़े हैं और धोनी का बलिदान बैज न ही कार्मिशयल है और न ही धार्मिक. इसके साथ ही ये भी कहा कि ये चिन्ह उनकी रेजीमेंट का भी नहीं है. हम इसकी अनुमति के लिए औपचारिक रूप से आवेदन करेंगे.

धोनी के ग्लव्स पर दिखा बलिदान बैज का चिह्नदरअसल पूर्व भारतीय कप्तान और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने एक बार फिर से देश के सुरक्षा बलों के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया है. आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में धोनी ने अनोखे अंदाज में पैरा स्पेशल फोर्सेज को सम्मान दिया. मैच के दौरान धोनी के ग्लव्स पर %बलिदान बैज% का चिह्न दिखाई दिया.37 साल के धोनी के ग्लव्स पर %बलिदान बैज% का चिह्न उस समय दिखाई दिया जब उन्होंने मैच के 40वें ओवर के दौरान युजवेंद्र चहल की गेंद पर दक्षिणी अफ्रीकी बल्लेबाज एंडिले फेहलुकवायो को स्टंप्स आउट किया था. %बलिदान बैज% वाले ग्लव्स पहने धोनी की यह तस्वीर बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. बलिदान बैज% वाले चिह्न का इस्तेमाल सिर्फ पैरा कमांडो वालों को ही करने की अनुमति मिली हुई है.यह पहली बार नहीं है जब धोनी ने मैदान के अंदर सुरक्षा बलों के प्रति अपना सम्मान दिखाया है. उन्होंने इससे पहले मार्च में ऑस्?ट्रेलिया के साथ हुए वनडे मैच के दौरान भी आर्मी वाली कैप पहनकर विकेट कीपिंग की थी. धोनी को 2011 में सेना ने मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की रैंक से सम्मानित किया था. धोनी ने तीन अप्रैल 2018 को लेफ्टिनेंट कर्नल की वर्दी में राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण अवॉर्ड प्राप्त किया था.आईसीसी चाहता है अपने दस्ताने से सेना का चिन्ह हटाएं धोनीइस बारे में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बीसीसीआई से अपील करते हुए कहा है कि वह विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी से उनके दस्तानों पर बने सेना के चिन्ह को हटाने को कहे. आईसीसी के महाप्रबंधक, रणनीति समन्व्य, क्लेयर फरलोंग ने कहा, हमने बीसीसीआई से इस चिन्ह को हटवाने की अपील की है.

ICC World Cup के पहले 8 दिन; इंग्लैंड-विंडीज हारे, अफ्रीका पस्त, रोमांच के लिए और क्या चाहिए

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप (World Cup 2019) शुरू होने के एक हफ्ते के भीतर ही अपने शवाब पर पहुंच गया है. क्रिकेट की पहली खूबी इसकी अनिश्चितता है. बड़े से बड़ा दिग्गज भी नहीं बता सकता कि अगली गेंद पर क्या होने जा रहा है. इस विश्व कप (ICC Cricket World Cup 2019) में भी अनिश्चितता पूरे रंग में है. विंडीज (West Indies) के खिलाफ 105 रन पर ढेर होने वाला पाकिस्तान नंबर-1 इंग्लैंड को हरा कर चुका है. दक्षिण अफ्रीका लगातार तीन मैच हारकर पस्त है. श्रीलंका को 10 विकेट से हराने वाले न्यूजीलैंड को बांग्लादेश के सामने पसीने छूट गए. विंडीज के खिलाफ 59 रन पर पांच विकेट गंवाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने दिखाया कि हारती बाजी को

कैसे पलटा जाता है.

आईसीसी वर्ल्ड कप के शुरुआती आठ दिन में और भी बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जो कहता है कि यह वर्ल्ड कप बहुत शानदार होने वाला है. इन आठ दिनों में दक्षिण अफ्रीका सबसे अधिक तीन मैच खेल चुका है. भारत ने एक मैच खेला है. बाकी आठ टीमें दो-दो मैच खेल चुकी हैं. मौजूदा वर्ल्ड कप के पांच रोचक फैक्ट...

1. सबसे कम, सबसे बड़ा स्कोर एक ही टीम के नाम

पाकिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के सामने महज 105 रन पर ढेर हो गई थी. यह अब तक इस टूर्नामेंट का सबसे छोटा स्कोर है. उसे इस मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा. मजेदार बात यह है कि टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर भी पाकिस्तान के ही नाम है. उसने इंग्लैंड के खिलाफ यह स्कोर (348/8) बनाया था.

2. जो रूट का चैंपियन बनाने वाला शतक

जो रूट ने इंग्लैंड के लिए इस विश्व कप का 'शुभ शतक' बनाया. वैसे तो यह मौजूदा वर्ल्ड कप का पहला शतक था. इसे शुभ इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पिछले तीन विश्व कप में जिस खिलाड़ी ने शतक बनाया है, उसीकी टीम चैंपियन बनी. साल 2007 में रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया), 2011 में वीरेंद्र सहवाग (भारत), 2015 में एरॉन फिंच (ऑस्ट्रेलिया) ने विश्व कप में पहला शतक बनाया था.

वर्ल्ड कप के बीच मुंबई से आई बुरी खबर, स्थानीय क्रिकेटर की धारदार हथियार से हत्या

मुंबई : एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विश्व कप 2019 के दौरान मुंबई से एक बुरी खबर आई है. मुंबई के भांडुप इलाके में एक क्रिकेटर की गुरुवार रात हत्या कर दी गई. हत्या के वक्त क्रिकेटर राकेश पवार अपनी महिला दोस्त के साथ बाइक पर कहीं जा रहे थे. इस मामले की जांच उसी महिला पुलिस अधिकारी को सौपी गई है, जिसने कभी राकेश पवार को बेहतर खेल के लिए सम्मानित किया था. इस हत्याकांड में राकेश पवार की महिला दोस्त की भूमिका भी संदेह के घेरे में है. पुलिस महिला मित्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. वहीं हत्यारे घटना के बाद से ही फरार है.गुरुवार रात मुंबई के भांडुप इलाके में एलबीएस रोड पर एक पेट्रोल पंप के सामने अपनी महिला दोस्त के साथ बाइक पर जा रहे राकेश पवार पर 2-3 अज्ञात हमलावरों ने हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी. राकेश पवार क्रिकेटर थे और जिला और मंडल स्तर पर कई साल से क्रिकेट खेलते थे. साथ ही लोगों को क्रिकेट की कोचिंग भी दिया करते थे.राकेश के ऊपर हमले की खबर जैसे ही फैली भांडुप पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राकेश को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. वहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया. राकेश के सिर पर

धारदार हथियार से हमले किए गए थे, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई थीं. इस घटना के वक्त मौजूद राकेश की महिला मित्र को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और वहीं हमलावरों की तलाश मे जुट गई. पुलिस ने अभी इस मामले में आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है लेकिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी हैं. प्रथम दृश्टया जांच में जो बात सामने आ रही है, वो ये है कि राकेश की हत्या आपसी रंजिश के कारण की गई है. लेकिन राकेश के साथ एक महिला मित्र का होना इस बात की तरफ भी इशारा करता है कि कहीं ये पूरा मामला प्रेम प्रकरण का तो नहीं है. या कहीं लव ट्रायंगल का तो नहीं. इसलिए पुलिस महिला से पूछताछ करके पता लगाने मे जुटी है कि उसके और राकेश के संबध कितने पूराने हैं.इसके साथ पुलिस राकेश और महिला मित्र के फोन रिकार्ड की भी जांच कर रही है,